श्रीकृष्ण दत्त एकेडमी वार्षिक विवरण (सत्र 2024–25)

वसुधैव कुटुंबकम अर्थात विश्व एक परिवार है। एक ओर भारतवर्ष अपना आजादी का 76वां अमृत महोत्सव मना रहा है वहीं इसके साथ–साथ श्रीकृष्ण दत्त एकेडमी अपने 10 वर्ष पूर्ण कर रहा है। 2015 में जिस संस्था की औपचारिक नींव रखी गई थी, आज वह वट वृक्ष का रूप ले रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने महाविद्यालय की गुणवत्ता और गुणात्मकता को देखकर 3.07 सीजीपीए प्रदान करते हुए "A" ग्रेड प्रदान किया है। इसका सारा श्रेय श्रीकृष्ण दत्त समिति के प्रबंधक श्री एस. के. डी. सिंह जी, निदेशक श्री मनीष सिंह, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण एवं संस्था के सभी कर्मचारियों को जाता है ।

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, समय सारणी, परीक्षा परिणाम, छात्रवृत्ति आदि अन्य आवश्यक सूचनाएं प्रदान करने के लिए महाविद्यालय का वेबसाइट पोर्टल है और महाविद्यालय का अपना यूट्यूब चैनल भी है।

वर्तमान में श्रीकृष्ण दत्त एकेडमी में 460 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जिसमें से 108 छात्र एवं 352 छात्राएं हैं। महाविद्यालय में सर्वांगीण विकास के लिए स्नातक स्तरीय 04 कोर्स चलाए जा रहे हैं। इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों को अतिरिक्त ज्ञान देने के लिए 12 सर्टिफिकेट कोर्स एवं Add On Courses भी चलाए जा रहे हैं ।

इसके साथ–साथ आगामी सत्र से एम. कॉम. एम.एस.सी. एल. एल. बी इत्यादि कोर्स शुरू करने की संभावनाएं हैं। महाविद्यालय के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त दो पुस्तकालय हैं, जिनमें 9578 पुस्तकें, 33 जर्नल तथा 04 दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध हैं । इसके अतिरिक्त महाविद्यालय Koha, ई.जर्नल्स तथा DELNET की सदस्यता है। 40 कंप्यूटरों से युक्त कंप्यूटर लैब, लैंग्वेज लैब और इसी वर्ष आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस लैब का भी शुभारंभ हुआ है। मीडिया सेंट के साथ.साथ कला एवं शिल्प स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा की प्रयोगशालायें है तथा इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में AUDIO VISUAL, प्रयोगशाला आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित दो सभागार भी उपलब्ध हैंए जिनके द्वारा विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें सक्षम बनाया जाता है । महाविद्यालय परिसर वाईफाई तथा इंटरनेट से युक्त हैं । कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से भी विद्यार्थियों को शिक्षित किया जाता है । महाविद्यालय के लगभग सभी प्राध्यापक शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए आईसीटी का प्रयोग करते हैं। FLIPPED कक्षाओं का भी शुभारंभ किया गया है जिसमें प्राध्यापक अपने–अपने विषय पर व्याख्यान रिकॉर्ड कर कॉलेज के यूट्यूब चैनल पर डालते हैं जिससे विद्यार्थी कक्षा में आने से पूर्व विषय की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं । इसी प्रकार लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) उपयोग में लाते हैं।

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव धनात्मक रहते हैं। इसके लिए प्रत्येक सत्र में गृह परीक्षाओं का प्रावधान हैए जिससे विद्यार्थी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करते है । महाविद्यालय की बी. एड. की छात्रा दिव्या राठौड ने विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक प्राप्त किया हैं ।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अनेक फोरम, क्लब व विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। एन. एस. एस. महिला प्रकोष्ठ, ऊर्जा संरक्षण क्लब,

कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, योग क्लब, संगीत, विज्ञान, गणित, खेल, कंप्यूटर, वाणिज्य और प्रबंध आदि विषयों से संबंधित फोरम क्लब के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समय.समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने अपने क्षेत्र के विशिष्ट विद्वानों की वार्ताएं, प्रश्नोत्तरी, भाषण व ज्ञान उपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं । इनसे संबंधित विद्यार्थी अन्य महाविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, संविधान दिवस, वन महोत्सव, मातृभाषा दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, युवा दिवस, महिला दिवस, जल संरक्षण दिवस, पृथ्वी दिवस, विज्ञान दिवस, मतदाता दिवस, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद आदि अनेक महापुरुषों की जयंतियां भी मनाई जाती हैं ताकि विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठ प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति तथा राष्ट्रीय गौरव के महत्व को समझते हुए उस पर गौरवान्वित हो सके। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में गणतंत्र दिवस पर कविता पाठ, निबंध लेखन, भाषण स्लोगन पोस्टर इत्यादि प्रतियोगिताएं एवं रैलियां आयोजित की गई और स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को पुरस्कार वितरित भी किये गये ।

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा रैली आदि के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, जल संरक्षण, नशा मुक्ति, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, दहेज–प्रथा आदि ज्वलंत सामाजिक विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है ताकि समाज को कुरीति मुक्त तथा समरसता युक्त बनाया जा सके। इस वर्ष एनसीटीई द्वारा स्वच्छता पखवाडा मनाया गया। इसके अतिरिक्त साक्षरता, चिकित्सा, पर्यावरण, ऊर्जा, जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ–साथ रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किए गए । महाविद्यालय के विद्यार्थियों को विशेष रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कंप्यूटर कोर्स (टैली कोर्स) शुरू किए गए हैं।

महाविद्यालय में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया है जो उपचारित जल हर्बल गार्डन सिंचाई काम आता है । महाविद्यालय में दो ''वर्मी कंपोस्ट यूनिट'' है जिनके द्वारा पत्तों और गीले कचरे से खाद बनती है जो पेड़ पौधों में डाली जाती है ।

महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत छात्राओं के सशक्तिकरण के लिए आत्मरक्षा के लिए बढ़ते साइबर अपराधों के कारण महाविद्यालय की छात्राओं को जागरूक करने के लिए समय.समय पर वार्ताओं के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं ।

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत कल्ली पश्चिम, नीलमथा, सेवई, गौरा, मोहनलालगंज, पुरसैनी के सरपंचों के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। महाविद्यालय में समय.समय पर प्लेसमेंट ड्राइव और जॉब फेयर का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 2 जॉब फेयर के अंतर्गत लगभग 60 प्रतिशत विद्यार्थियों को रोजगार अलग.अलग 18 कंपनियों में दिलवाया गया है ।

विद्यार्थियों की भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए वार्षिक पत्रिका 'प्रतिबिम्ब' का प्रकाशन किया जाता है ।

प्रत्येक सत्र में महाविद्यालय में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के ज्ञान को गति देने के लिए अनेकानेक राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और अतिथि व्याख्यानों का ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम द्वारा संयोजन किया जाता है। आधुनिक समय की मांग को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए 'बौद्धिक संपदा अधिकार' जैसे विषय पर

अलग–अलग विभागों द्वारा भी व्याख्यान आयोजित करवाए जाते हैं । महाविद्यालय के प्रवक्ताओं के लिए भी 'संकाय विकास कार्यक्रम' (एफ.डी.पी) आयोजित की गई।

विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा, खेल, अनुसंधान और नवोन्मेष चार स्तंभ हैं जिन पर किसी राष्ट्र के कार्य संस्कृति और विकास टिका होता है । महाविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवश्यक कौशल प्रदान किया जाता है जिससे वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल हो ।

श्रीकृष्ण दत्त एकेडमी महाविद्यालय के प्रबंधक श्री एस. के. डी. सिंह जी, निदेशक श्री मनीष सिंह जी के संरक्षण एवं महाविद्यालय के प्राचार्य के कुशल नेतृत्व में संस्था अपने निर्माण के 10 वें वर्ष में प्रवेश कर नये आयामों को स्थापित करे।